

د قرآن نور

اول جز: درس 19- سورة البقرة آيات 83-86

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|-------------------|----------------------|-------------|--------------------------------|----------------------|-------------------|
| وَإِذْ | أَخَذْنَا | مِيثَاقَ | بَنِي إِسْرَائِيلَ | لَا تَعْبُدُونَ | إِلَّا |
| | أخ ذ | و ث ق | ب ن ی | ع ب د | |
| او چه کله | واخسته مونبر | پخه وعده | د بنی اسرائیل نه چه | مه تاسو عبادت کوئی | مگر |
| اللّٰه | وَبِالْوَالِدَيْنِ | إِحْسَانًا | وَوَيْ الْقُرْبَىٰ | وَالْيَتَامَىٰ | |
| ال ه | و ل د | ح س ن | ق ر ب | ی ت م | |
| د الله تعالی | او د مور او پلار سره | احسان کوئی | او د رشته دارانو (خپلوانو) سره | او د یتیمانانو سره | |
| وَالْمَسَاكِينِ | وَقُولُوا | لِلنَّاسِ | حُسْنًا | وَأَقِيمُوا | الصَّلَاةَ |
| س ک ن | ق و ل | ن و س | ح س ن | ق و م | ص ل و |
| او د مسکینانو سره | او اووایی | د خلقو سره | بڼه (خبره) | او قائموئی | مونخ / لمونخ |
| وَأَتُوا | الرَّكَاةَ | ثُمَّ | تَوَلَّيْتُمْ | إِلَّا | مِنْكُمْ |
| ا ت ی | ز ک و | | و ل ی | | |
| او ورکوئی | زکاة | بیا | مخ واپولو تاسو | سوائے | د لرونه |
| وَأَنْتُمْ | مُعْرِضُونَ ﴿٨٣﴾ | وَإِذْ | أَخَذْنَا | مِيثَاقَكُمْ | لَا تَسْفِكُونَ |
| | ع ر ض | | ا خ ذ | و ث ق | ف س ق |
| او تاسو | مخ گرځوئی - | او چه کله | واخسته مونبر | پخه وعده ستاسو نه چه | مه به تاسو تویوئی |
| دِمَاءَكُمْ | وَلَا | تُخْرِجُونَ | أَنْفُسَكُمْ | مِنْ دِيَارِكُمْ | |
| د م و | | خ ر ج | ن ف س | د و ر | |
| وینه خپله | او مه | تاسو اوباسی | خپل نفسونه (خپل قوم) | د خپلو کورونو نه | |
| ثُمَّ | أَقْرَرْتُمْ | وَأَنْتُمْ | تَشْهَدُونَ ﴿٨٤﴾ | ثُمَّ | أَنْتُمْ |
| | ق ر ر | | ش ه د | | |
| بیا | اقرار او کړو تاسو | او تاسو | تاسو گواهی ورکوئی - | بیا | تاسو |
| | | | هغه خلق یی چه | | |

د قرآن نور

اول جز : درس 19- سورة البقرة آيات 83-86

| | | | | | |
|-----------------|-----------------------------------|----------------|----------------|------------------|--------------------|
| تَقْتُلُونَ | أَنْفُسَكُمْ | وَتَخْرُجُونَ | فَرِيقًا | مِنْكُمْ | مِنْ دِيَارِهِمْ |
| قتل | نفس | خرج | فرق | | دور |
| تاسو قتل کوئی | خپل نفسونه | او تاسو اوباسی | یوه ډله | د خپلو نه | د هغوی د کورونو نه |
| تَظَاهَرُونَ | عَلَيْهِمْ | بِالْإِثْمِ | وَالْعُدْوَانِ | وَإِنْ | يَأْتُوكُمْ |
| ظهر | | اثم | عدو | | اتی |
| تاسو حمله کوئی | په هغوی باند | سره د گناه | او زیاتی | او که چرے | هغوی راشی تاسو له |
| أَسَارَى | تَفَادُوهُمْ | وَهُوَ | مُحَرَّمٌ | عَلَيْكُمْ | |
| اسر | فدي | | حرم | | |
| قیدیان / بندیان | نو تاسو فدیہ ورکوی او ازادوی هغوی | حالانکه هغوی | حرام شوی وو | په تاسو باند | |
| إِخْرَاجُهُمْ | أَفْتُوْمُنُونَ | بِبَعْضِ | الْكِتَابِ | وَتَكْفُرُونَ | |
| خرج | امن | بعض | کتاب | کفر | |
| ویستل د هغوی | آیا بیا تاسو ایمان راوړی | په ځنې (حصے) | د کتاب | او تاسو کفر کوئی | |
| بِبَعْضِ | فَمَا | جَزَاءُ | مَنْ يَفْعَلُ | ذَلِكَ | مِنْكُمْ |
| بعض | | جزي | فعل | | |
| سره د ځنې | نونه ده | بدله | د هغه چه کوی | داسی | په تاسو کبڼ |
| فِي الْحَيَاةِ | الدُّنْيَا | وَيَوْمَ | الْقِيَامَةِ | يُرَدُّونَ | إِلَى |
| حیاتی | دنو | یوم | قوم | ردد | |
| په ژوند کبڼ | د دنیا | او په ورځ | د قیامت | هغوی به واپس شی | طرفته |
| الْعَذَابِ | وَمَا | اللَّهُ | بِغَافِلٍ | عَمَّا | تَعْمَلُونَ ﴿٨٥﴾ |
| عذاب | | اله | غفل | | عمل |
| عذاب | او نه دے | الله تعالی | غافل | د هغه نه چه | تاسو عمل کوئی |
| | | | | هم دغه خلق دی | |

د قرآن نور

اول جز: درس 19- سورة البقرة آيات 83-86

| | | | | | | |
|------------------|---------|--------------------|------------|------------|------------|-----------|
| يُخَفِّفُ | فَلَا | بِالْآخِرَةِ ۖ | الدُّنْيَا | الْحَيَاةَ | اشْتَرَوْا | الَّذِينَ |
| خ ف ف | | اخر | دن و | ح ی | ش ر ی | |
| سپکیری / کمیری | نونه به | په بدله کبن د آخرت | د دنیا | ژوند | واخستلو | چا چه |
| يُنْصَرُونَ ﴿٨٦﴾ | هُمْ | وَلَا | الْعَذَابُ | عَنْهُمْ | | |
| ن ص ر | | | ع ذ ب | | | |
| مدد کیری | د هغوی | اونه به | عذاب | د هغوی نه | | |